

क्रमांक 560

6 अगस्त, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

कृषि निदेशक अम्बरीश कुमार ने वेटेरनरी विश्वविद्यालय का भ्रमण कर आर.के.वी.वाई. योजनाओं का लिया जायजा

बीकानेर, 6 अगस्त। कृषि विभाग के निदेशक और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के स्टेट नॉडल ऑफिसर श्री अम्बरीश कुमार ने शनिवार को वेटेरनरी विश्वविद्यालय की इकाईयों में चारा उत्पादन, पशु आहार और पशुपालन तकनीकों का निरीक्षण कर विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से सेवण घास उत्पादन कार्य का अवलोकन कर इसकी विस्तृत रिपोर्ट भिजवाने को कहा। वेटेरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाओं के तहत चलने वाली 17 परियोजनाओं की प्रगति से अवगत करवाया। कृषि निदेशक ने पशुधन चारा संसाधन प्रबंधन एवं तकनीक केन्द्र तथा पशुपोषण विभाग में पशु आहार और चारे की गुणवत्ता जांच बाबत स्थापित प्रयोगशालाओं के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जैव तकनीकी विभाग और एपेक्स सेन्टर में किए जा रहे प्रायोगिक कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने मेडिसिन विभाग में क्रिटिकल केयर यूनिट, पशुओं की ब्लड बैंक को भी देखा। कुलपति प्रो. गहलोत ने विश्वविद्यालय के पॉल्ट्री फॉर्म में जैव विविधता सजीव म्यूजियम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पशुचिकित्सा वैज्ञानिकों ने राजुवास स्ट्रेन तैयार करने में सफलता अर्जित की है। मुर्गी की देशी कड़कनाथ और ब्लैक एस्ट्रोलाॅप आर.आई.आर. क्रॉस के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए



हैं। निदेशक ने कुलपति से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यों की भी विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर वेटेरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता प्रो. जी.एस. मनोहर, कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक शरद गोधा, संयुक्त निदेशक आनन्द स्वरूप छीपा सहित विश्वविद्यालय के विभागध्यक्ष डीन-डायरेक्टर और कृषि विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ